अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट, फरवरी - 2023

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न-पत्र कोड : 2/4/1, 2/4/2, 2/4/3

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है, क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझें, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए |
5. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं | ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं | यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए |
6. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
7. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
8. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
9. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
10. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

ZOLLEGE.in

11. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
12. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
13. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **20** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
14. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं -

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश का मूल्यांकन किए बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- गलत प्रश्नवार आवरण पृष्ठ पर योग।
- आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग ठीक न होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो।
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

15. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
16. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
17. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
18. परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
19. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर-पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है। समस्त परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों पुनः स्मरण कराया जाता है - वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन, मार्किंग स्कीम में दिए मूल बिंदुओं के अनुसार, सख्ती से किया गया है।

ZOLLEGE.in

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

फरवरी - 2023

अंक योजना : हिंदी आधार (302) प्रश्न-पत्र गुच्छ संख्या 2/4/1, 2/4/2, 2/4/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं, बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/4/1	2/4/2	2/4/3		
				खंड 'अ' **(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	1	2	1		10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(d) वायु की शुद्धता	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) समस्या सिर पर आने पर ही समाधान पर विचार करते हैं ।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) जब उसमें प्रदूषक तत्वों की अधिकता हो	1
	(v)	(v)	(v)	(c) धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित रखना होगा	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(b) स्थानीय स्तर पर वायु -प्रवाह में प्रदूषण बढ़ रहा है ।	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(b) इससे वनस्पति, जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँचेगा ।	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(d) प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(b) दिनोंदिन हवा में बढ़ता प्रदूषण	1
	(x)	(x)	(x)	(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है ।	1
2	2	1	2	**(क) काव्यांश - 1**	5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(c) गंगा नदी का बढ़ा जल-स्तर	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) गंगाजल रूपी रजत परिधान	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(d) घर का मजबूत होना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(b) पतली	1
	(v)	(v)	(v)	(d) उपमा	1
	अथवा	**अथवा**	**अथवा**	**(ख) काव्यांश - 2**	
	(i)	(i)	(i)	(a) धैर्य, शौर्य, बुद्धि और वीरता	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) स्वयं को वर हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा	1

ZOLLEGE.in

	(iii)	(iii)	(iii)	(d) उपयुक्त व्यक्तित्व	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) तुरंग	1
	(v)	(v)	(v)	(b) उपमा	1
3	3	3	3		5x1=5
	(i)	(iii)	(iv)	(c) बीट	1
	-	(i)	-	(a) संपादक मंडल द्वारा	1
	-	-	(i)	(a) नेट साउंड	1
	(ii)	(iv)	(v)	(a) अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान	1
	-	(ii)	-	(c) डायनमिक फौन्ट की अनुपलब्धता से	1
	-	-	(ii)	(a) रीडिफ डॉट कॉम	1
	(iii)	-	-	(c) वेब दुनिया के साथ	1
	(iv)	(v)	(iii)	(b) शब्दों और ध्वनियों का	1
	(v)	-	-	(a) विशेष रिपोर्ट	1
4	4	5	4		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(c) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) भावनाओं और विचारों का वेग	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(c) कल्पना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(a) शब्दों के अंकुर फूटे	1
	(v)	(v)	(v)	(b) काव्य-रचना प्रक्रिया को	1
5	5	4	5		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(a) खेतों में बीज बोना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) पानी का दान-पुण्य करना पड़ता है	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(d) दान-पुण्य करने से	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) दान-पुण्य की महत्ता समझाने के लिए	1
	(v)	(v)	(v)	(d) पानी को इंद्र-सेना पर डालना	1
6	6	6	6		10x1=10
	(i)	-	-	(a) पत्नी और बच्चों से वैचारिक मतभेद होने के कारण	1
	-	(i)	-	(d) छोटे-छोटे कमरों का मिलना	1
	-	-	(i)	(d) पाश्चात्य सभ्यता को अधिक महत्त्व दिया जाना	1
	(ii)	-	-	(a) घर में अतिरिक्त कमरा न होने के कारण	1
	-	(ii)	-	(b) कक्षा में बड़ी कक्षा के छात्रों के सम्मुख गायन का अवसर प्रदान कर	1
	-	-	(ii)	(d) (a) और (b) दोनों	1
	(iii)	(iv)	(iv)	(d) उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा	1
	-	(iii)	-	(c) युवावस्था में फालतू के काम करना	1
	-	-	(iii)	(b) किशन दा लंबी आयु तक नहीं जी सका	1

ZOLLEGE.in

	(iv)	**(v)**	**(v)**	(c) वे इसे विदेशी कस्टम मानते थे	1
	(v)	**(vi)**	**(vi)**	(a) ईख की अच्छी-खासी कीमत पाने के लिए	1
	(vi)	**-**	**-**	(c) शाम को खेतों में सिंचाई करना	1
	(vii)	**(vii)**	**(vii)**	(a) सहपाठियों के पास हो आगे की कक्षा में चले जाने के कारण	1
	(viii)	**(viii)**	**(viii)**	(d) बौद्ध स्तूप	1
	(ix)	**(ix)**	**(ix)**	(a) कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए	1
	(x)	**(x)**	**(x)**	(a) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	1
				खंड 'ब' **(वर्णनात्मक प्रश्न)**	
7	**7**	**9**	**7**	(किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख)	6
				प्रारंभ, समापन विषयवस्तु प्रस्तुति भाषा	1 3 1 1
8	**8**	**7**	**8**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x3=6
	(क)	**(क)**	**(क)**	**तत्व -** ▯ कहानी के पात्रों के मनोभावों / मानसिक-द्वंद्वों की नाटकीय प्रस्तुति ▯ कहानी में वर्णित परिवेश एवं परिस्थितियों पर लेखक की टिप्पणी ▯ कहानी के संवादों की नाटकीय प्रस्तुति **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **नाटकों में स्थान -** ▯ मंचसज्जा, संगीत एवं प्रकाश व्यवस्था द्वारा ▯ पात्रों की वेशभूषा एवं अभिनय द्वारा	1½+1½=3
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	▯ पात्र संबंधी समस्त जानकारी, आपसी संबंध, चारित्रिक विशेषताओं को प्रकट करने वाले ▯ भाषा-पात्रानुरूप ▯ पात्रों के एक्शन की अभिव्यक्ति ▯ पात्रों के नाम का संबोधन **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	▯ समय और स्थान के आधार पर दृश्य-विभाजन	3

ZOLLEGE.in

				• परिवेश और परिस्थिति-संबंधी टिप्पणियों को दृश्यों में ढालना • मंचसज्जा, पार्श्व-संगीत एवं ध्वनि व प्रकाश की व्यवस्था • दृश्यों के क्रमिक विकास हेतु कहानी के अनुरूप संवाद लेखन • कहानी के पात्रों का उचित चरित्र-चित्रण • कहानीकार द्वारा व्यक्त प्रसंग एवं मानसिक द्वंद्व को संवादों के माध्यम से प्रकट करना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
	9	**8**	**9**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x4=8
	(क)	**(क)**	**(क)**	• सहज, सरल, आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग करना • छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग करना • निम्नलिखित, अधोहस्ताक्षरित, क्रमांक आदि शब्दों के प्रयोग से बचना • अनावश्यक विशेषणों और शब्दों के प्रयोग से बचना • मुहावरों एवं कहावतों का सहज, स्वाभाविक प्रयोग करना **(कोई चार बिंदु अपेक्षित)**	4
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	**अभिप्राय -** • किसी खास विषय पर सामान्य विषय से हटकर लिखा गया लेखन, जिसमें राजनैतिक, आर्थिक, आपराधिक, खेल, फिल्म, कृषि आदि विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण एवं विस्तृत सूचनाएँ प्रदान की जाती हों **भाषा-शैली** • विषयों में तकनीकी जटिलता होना • विषय एवं क्षेत्र की तकनीकी शब्दावली होना • निश्चित शैली का न होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2+2=4

ZOLLEGE.in

	(ग)	(ग)	(ग)	**विशेषताएँ -** ▯ स्थायित्व ▯ चिंतन-मनन, विचार-विश्लेषण संभव ▯ सहेजकर रखने की सुविधा ▯ सुविधानुसार कहीं-भी और कभी-भी पढ़ सकना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **कमियाँ -** ▯ निरक्षरों के लिए अनुपयोगी ▯ तुरंत घटित घटनाओं की जानकारी नहीं ▯ निश्चित अवधि पर ही प्रकाशित होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2+2=4
10	**10**	**10**	**10**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x3=6
	(क)	-	-	▯ द्वंद्वों से घिरा कवि का जीवन ▯ समाज से खट्टा-मीठा, प्रीति-कलह का संबंध ▯ उन्मादों में अवसाद, रोदन में राग और शीतल वाणी में आग लेकर फिरना ▯ जीवन - विरोधों के बावजूद सामंजस्य बना कर समाज को मस्ती का संदेश देना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	-	(क)	-	**अर्थ -** क्षमता, योग्यता और कार्यकुशलता के आधार पर मानवोपयोगी कार्यों का विभाजन **अंतर-** श्रम-विभाजन - क्षमता, योग्यता एवं कार्यकुशलता के आधार पर; श्रमिक विभाजन केवल जन्म के आधार पर ▯ श्रम विभाजन में व्यक्ति के द्वारा रुचि एवं योग्यतानुसार व्यवसाय चुनने की अनुमति, श्रमिक विभाजन में नहीं	1+2=3
	-	-	(क)	संसार द्वारा बनाई गई रीतियों और परंपराओं का पालन करने वालों को **कारण -** ▯ खुशामदी / चापलूसी प्रवृत्ति के कारण ▯ सांसारिक प्रेम, मान-सम्मान स्वार्थ पर आधारित होने के कारण	1+2=3

ZOLLEGE.in

	(ख)	-	-	• साक्षात्कारकर्ता द्वारा स्वयं को पूर्ण और शक्तिशाली मानकर अपाहिज को दुर्बल समझने का अहंकार • दूरदर्शन पर अपाहिज को प्रदर्शन की वस्तु मान, उसके मन की पीड़ा को कुरेदना • अपाहिज का साक्षात्कार व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने का माध्यम मात्र, पीड़ा से कोई सरोकार न होना	3
	-	**(ख)**	-	• कठोरता के साथ कोमलता का भाव • स्वयं कष्ट सहकर भी दूसरों के लिए जीने की प्रवृत्ति • विपरीत परिस्थितियों में भी शांत एवं अविचलित रहना • अवधूत की भाँति जीवनयापन करना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	-	-	**(ख)**	• पीड़ा का बाजारीकरण • मीडियाकर्मियों की करुणा के मुखौटे में छिपी संवेदनशून्यता • अपने व्यावसायिक उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपाहिज की पीड़ा और बेबसी को बेचना • दर्शकों की भरपूर संवेदना प्राप्त कर अपने चैनल की लोकप्रियता बढ़ाना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ग)	-	-	**क्रांति का प्रतीक -** • निर्धन, शोषित, कृषक, सर्वहारा वर्ग द्वारा आह्वान **कारण -** • शोषक वर्ग के अन्याय, अत्याचार, शोषण से मुक्ति हेतु • सुप्त अंकुरों को नवजीवन देने हेतु	1+1+1=3
	-	**(ग)**	-	**कारण -** • राजा साहब की मृत्यु के पश्चात सत्ता का नए राजकुमार के हाथों में आना	1½+1½=3

ZOLLEGE.in

ZOLLEGE.in

				• कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों में उसकी रुचि न होना **संकेत -** • सत्ता परिवर्तन द्वारा केवल शासक का ही बदलना नहीं, लोक-कलाओं व कलाकारों का भी अप्रासंगिक हो जाना	
	-	-	**(ग)**	**उपमान -** • शंख जैसा नीला होना • राख से लीपा हुआ गीला चौका • केसर से धुली सिल • लाल खड़िया चाक मली हुई स्लेट **(किन्हीं तीन उपमानों का स्पष्टीकरण अपेक्षित)**	3
11	**11**	**11**	**11**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x2=4
	(क)	-	-	• दयनीय स्थिति • नारी-हानि को विशेष क्षति न मानना • भाई की अपेक्षा पत्नी को हीन समझना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	-	**(क)**	-	• बैंक में धन जमा करके • माल-असबाब , मकान-कोठी आदि खरीदकर • पैसे की पर्चेजिंग पावर का प्रयोग करके **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	-	-	**(क)**	• जीवनदायी एवं सुखद होने के कारण • क्रांति के संवाहक होने के कारण • प्रकृति एवं शोषित वर्ग के जीवन में समृद्धि लाने के कारण **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	(ख)	-	-	• बच्चे के प्रति माँ की कोमलता, सतर्कता, वात्सल्य भाव • चंचल शिशु को सम्हालने की कुशलता एवं ममता प्रतिबिंबित होना	2
	-	**(ख)**	-	• नाम समृद्धि सूचक, लेकिन जीवन में धन का नितांत अभाव	2

ZOLLEGE.in

				• कष्टपूर्ण जीवन • जीवन में दुर्भाग्यों की बहुलता **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	
	-	-	(ख)	**तुलना** - रावण से **कारण** - दरिद्रता रूपी रावण से समूचा संसार त्रस्त, पीड़ित, आतंकित	2
	(ग)	-	-	**समानता** - • हर पेंच के लिए निश्चित खाँचे की भाँति हर बात के लिए कुछ विशेष शब्दों का होना • जोर-जबरदस्ती से पेंच की चूड़ी मरना, उसी प्रकार विद्वत्तापूर्ण भाषा के दिखावे से बात का प्रभावहीन हो जाना	2
	-	(ग)	-	**तुलना** - सत्ताधारी नेताओं से **कारण** - अधिकार लिप्सा के कारण	1+1=2
	-	-	(ग)	चाँद की माँग • दर्पण में चाँद का प्रतिबिंब दिखाकर	1+1=2
12	**12**	**12**	**12**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x3=6
	(क)	-	-	• इधर-उधर पड़े रुपए-पैसे को भंडारघर की मटकी में छिपाकर रखना एवं इस कार्य को चोरी न मानना • लेखिका के क्रोध से बचने हेतु घुमा फिराकर कही बात को झूठ न मानना • सेविका होते हुए भी लेखिका की इच्छानुसार कार्य न करके, अपनी इच्छा से कार्य करना • शास्त्र का प्रश्न भी अपनी सुविधानुसार सुलझा लेना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	-	(क)	-	• अपाहिज की लाल सूजी हुई आँख और होंठों पर विद्यमान कसमसाहट के माध्यम से • नहीं **तर्क-** प्रसारण समय समाप्त होने के कारण	3

ZOLLEGE.in

	-	-	(क)	**आशय** - सांसारिक आकर्षणों के लिए तृष्णा, संचय में विश्वास, लालच, दिखावे की प्रवृत्ति वालों में आत्मबल का अभाव होना	3
	(ख)	-	-	**प्रभाव** - ▯ चुंबकीय आकर्षण ▯ मन में असंतोष व तृष्णा का भाव जागृत **बचाव** - ▯ खाली मन से बाजार न जाना ▯ अनावश्यक वस्तुओं की खरीदारी न करना	1½+1½=3
	-	(ख)	-	**अभिप्राय** - भाषा को चमत्कारिक बनाने के लिए अनावश्यक व पांडित्यपूर्ण शब्दावली का प्रयोग **प्रभाव** - बात / कथ्य का प्रभावहीन होना **कारण** - तमाशबीनों की वाहवाही बटोरने एवं विद्वता-प्रदर्शन हेतु	1½+1½=3
	-	-	(ख)	▯ अमावस्या की काली ठिठुराती रात्रि में गाँव का भयार्त शिशु की तरह काँपना ▯ सियारों का क्रंदन एवं उल्लुओं की डरावनी आवाज ▯ राख के ढेर पर बैठे हुए कुत्ते का रोना ▯ झोंपड़ियों से कराहने और कै करने की आवाज ▯ 'हरे राम ! हे भगवान !' की टेर ▯ बच्चों का निर्बल कंठों से 'माँ-माँ' पुकारकर रो पड़ना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ग)	-	-	▯ संसार के चिर-परिचित और अति प्रामाणिक सत्य - जरा और मृत्यु का वर्णन ▯ जीवन में परिवर्तन को स्वीकार करना ▯ जड़ता को त्याग कर गतिशील रहना ▯ आगे की ओर मुँह किए रहना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3

ZOLLEGE.in

	-	(ग)	-	बच्चे के समान **कारण -** • दोनों में असीमित कल्पना की उड़ान • समाज में आपसी भेदभाव भुलाकर समानता की भावना का प्रसार करना • दोनों के उपकरण - जड़-चेतन, अतीत-वर्तमान और भविष्य • दोनों का आनंद शाश्वत, समय और स्थान की सीमाओं से परे **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	1+2=3
	-	-	(ग)	**कवियों की धारणा -** • शिरीष-पुष्प का केवल भौरों के पदों का कोमल दबाव ही सहन करने में समर्थ होना, पक्षियों का नहीं • फूलों के साथ-साथ सभी कुछ कोमल होना **लेखक का कथन -** • शिरीष को कोमल मानना भूल • फल इतने मजबूत कि नए फूलों के निकलने के बाद भी अपने स्थान को न छोड़ना	1½+1½=3
13	**13**	**13**	**13**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x2=4
	(क)	-	-	• जीवन, शारीरिक-सुरक्षा, संपत्ति का अधिकार, गमनागमन की स्वतंत्रता, जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक औजार व सामग्री रखने की स्वतंत्रता के पक्ष में • मनुष्य को सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के पक्ष में नहीं	1+1=2
	-	**(क)**	-	• सांसारिक मनुष्य भौतिकतावादी मानसिकता एवं संचय की भावना से ग्रसित, कवि को वैभव और समृद्धि तुच्छ लगना तथा धन-संग्रह के पीछे न भागना, प्रेम में विश्वास रखना	2
	-	-	**(क)**	• मनुष्य की स्वाभाविक प्रेरणा, रुचि व आत्मशक्ति को दबाकर उन्हें अस्वाभाविक नियमों में जकड़ निष्क्रिय बना देना	2

ZOLLEGE.in

				• अरुचि के साथ विवशतावश कार्य करने के कारण उनकी कार्यकुशलता और उत्पादकता का प्रभावित होना • समाज की आर्थिक स्थिति का अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	
	(ख)	-	-	• महामारी का प्रकोप देख अंधेरी रात का चुपचाप आँसू बहाना • सियारों के क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज का निस्तबद्धता को भंग करना • आकाश के टूटते तारे की ज्योति और शक्ति का रास्ते में ही शेष हो जाना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	-	**(ख)**	-	• नीड़ों में प्रतीक्षारत बच्चों का ध्यान • रात्रि होने का भय • बच्चों का भूखा-प्यासा होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	-	-	**(ख)**	• बाजार का मूक आमंत्रण • बाजार में सजे सामान को देख मन में उसे लेने की चाह जागना • मनुष्य को असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या से घायल करना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	(ग)	-	-	भक्तिन को • एक के बाद एक तीन कन्याओं को जन्म देने के कारण • समाज में लड़का-लड़की में भेदभाव होने के कारण **(कोई एक बिंदु अपेक्षित)**	1+1=2
	-	**(ग)**	-	खरगोश की लाल आँखों से **आधार -** शरदकालीन लालिमायुक्त मोहक सौंदर्य से पूर्ण प्रातः	1+1=2

ZOLLEGE.in

	-	-	**(ग)**	साहित्यकारों द्वारा महादेवी को दिए गए सम्मान की मात्रा के आधार पर	2

****

ZOLLEGE.in

ZOLLEGE.in